



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 272]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्टूबर 6, 2005/आश्विन 14, 1927

No. 272]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 6, 2005/ASVINA 14, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(वाणिज्य विभाग)

(Department of Commerce)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

सार्वजनिक सूचना

PUBLIC NOTICE

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 2005

New Delhi, the 6th October, 2005

सं. 58 (आर ई-2005)/2004—2009

No. 58(RE-2005)/2004—2009

पत्र. सं. 01/91/180/975/एम05/पीसी-3.—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 के पैराग्राफ 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महानिदेशक, विदेश व्यापार, एतद्वारा, सार्वजनिक सूचना सं. 58(आरई-2004)/2002—2007 दिनांक 7 मार्च, 2005 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

E. No. 01/91/180/975/AM05/PC-III.—In exercise of powers conferred under Paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy 2004—2009, as amended, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendment in the Public Notice No. 58 (RE-2004)/2002—2007, dated 7th March, 2005 :—

सार्वजनिक सूचना सं. 58(आरई-2004)/2002—2007 दिनांक 7 मार्च, 2005 के पैरा—1(ii)(iv) को संशोधित कर निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :—

Para—1(ii)(iv) of Public Notice No. 58 (RE-2004)/2002—2007, dated 7th March, 2005 will be amended to read as follows:—

“केवल एक बार छूट 30 नवम्बर, 2005 तक लागू होगी और इस अवधि की समाप्ति पर निर्यातक पोतलदान न की गयी मात्रा को संबंधित राज्य के मुख्य वन्यजीव संरक्षक को वापस करेगा।”

“One time exemption will be applicable upto 30th November, 2005 and the exporter shall surrender the unshipped quantity to the Chief Wildlife Wardens of the respective State after expiry of this period.”

2. इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

2. This issues in public interest.

के. टी. चाको, महानिदेशक, विदेश व्यापार

K. T. CHACKO, Director General of Foreign Trade